जनजातीय समुदाय : मुख्यधारा बनाम अस्मिता का संकट

1. इक्कसवीं सदी और आदिवासी समाज।
2. जनजातीय समाज में राजनैतिक चेतना और शैक्षिक स्तर।
3. जनजातीय समुदाय की समस्याएँ।
4. जनजातियों का ऐतिहासिक परिपेक्ष्य एवं वर्तमान स्थिति।
5. भारत की विमुक्त जनजातियों में शिक्षा का स्तर और संभावनाओं के सेतु।
6. जनजातियों का लोक साहित्य।
7. सरकारी संसाधन और जनजातियों की सामाजिक आर्थिक समस्यायें।
8. भारत में जनजातीय समुदाय का भविष्य और संभावनाएँ।
9. जनजातीय समुदायों की चुनौतियाँ।

कृपया

उपरोक्त विषयों में किसी एक पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत करें।

जनजातीय समुदाय : मुख्यधारा बनाम अस्मिता का संकट

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

बुधवार 21 मार्च 2018

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

बुधवार 21 मार्च 2018

आयोजक

जनजातीय अध्ययन केन्द्र

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

24.2.18

शोध पत्र का सारांश

250 से 300 शब्दों के बीच शोधपत्र का सारांश भेजें। शोध सारांश ए–4 आकार में भली भांति टाइप किया हुआ हो।

सारांश प्राप्त होने की अंतिम तिथि :

21 मार्च 2018

पंजीयन शुल्क : 1000.00

छात्रों की पंजीयन शुल्क : 600.00

पंजीयन 8:30 प्रातः से 10 बजे

उद्घाटन सत्र–प्रातः 10:30 बजे

एवं प्रथम सत्र–11:30 बजे से

भोजनावकाश–2:30 बजे

द्वितीय सत्र–3:00 बजे से

6 बजे सायं।

मुख्य संरक्षक :

प्रो. के.एन.सिंह यादव

माननीय कुलपति
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा

संरक्षक

डॉ. आनन्द कुमार काम्बले

कुलसचिव
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा

आयोजक

प्रो. दिनेश कुशवाह

प्रभारी आचार्य
जनजातीय अध्ययन केन्द्र

आयोजन सचिव

डॉ. सी.पी. पटेल, 09424375995

आयोजन समिति :

1. डॉ. अर्चना सिंह
2. डॉ. बारेलाल जैन
3. डॉ. अनुराग मिश्र
4. डॉ. निशा पटेल
5. श्री संतोष सिंह
6. फणिशेखर राय

कृपया वि०वि० की वेबसाइट पर अपलोड करवाने का कष्ट करें। 24/2/18
प्रभारी के०व०।